राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

राज्यपाल ने सोशल सर्विस क्रेडिट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हेस्को संस्था तथा राज्य के विश्वविद्यालयों द्वारा सयुंक्त रूप से सोशल सर्विस क्रेडिट योजना प्रारम्भ

राजभवन देहरादून 05नवम्बर, 2019

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने राज्य के विश्वविद्यालयों से कहा है कि स्नातक की शिक्षा के प्रथम वर्ष के दौरान ही विद्यार्थियों को सामाजिक सेवा व परम्परागत ग्रामीण कार्यों से जोड़ने के लिए अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण दिया जाय। विद्याथिर्यों को सामाजिक कार्यों व ग्रामीण विकास के कार्यों से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालयों, कॉलेजो व सामाजिक संगठनों को मिलकर कार्य करना होगा। इससे राज्य में पलायन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों व कॉलेजों द्वारा नशे के खिलाफ एक सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया। राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने मंगलवार को शुक्लापुर गांव देहरादून में हेस्को संस्था व राज्य के विश्वविद्यालयों के समन्विय प्रयासों से संचालित सोशल सर्विस क्रेडिट कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने उपस्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रतिनिधियों से कहा कि हमें अपने युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ना जरूरी है। युवा विद्यार्थियों को परम्परागत तकनीक व ग्रामीण कार्यों से अवगत कराना होगा। बच्चों में गांवों से जुड़ने की मानसिकता विकसित करनी होगी।

इस अवसर पर उपस्थित उच्च शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य के 11 सरकारी व 20 निजी विश्वविद्यालयों में सोशल सर्विस क्रेडिट का 15 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम करवाया जाएगा। राज्य के प्रत्येक विश्वविद्यालय व कॉलेज द्वारा एक –एक गांव गोद लिया गया है। विश्वविद्यालयों को सामाजिक संगठनों से जोड़ना होगा। विश्वविद्यालयों में उन्नत भारत, एक भारत श्रेष्ठ भारत, देश को जानों, फिट इंडिया, नशा मुक्ति अभियान, ग्रीन कैम्पस क्लीन कैम्पस अभियान चला रहे हैं। 2022 तक उत्तराखण्ड को 100 प्रतिशत साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को भी योगदान देना होगा।

कार्यक्रम के दौरान कुमाँऊ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ने बताया कि कुमाँऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जो रूरल मैनेजमेंट में एमबीए का पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। कुमाँऊ विश्वविद्यालय में रूरल मैनेजमेंट में एमबीए के 27 विद्यार्थियों द्वारा 27 गांवों को गोद लिया गया है। उत्तरांचल विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा पांच गांव गोद लिये गए है जहां पर जल संरक्षण व जमीन की कम सतह से जल प्राप्त करने पर कार्य किया जा रहा है। जल

संरक्षण के तहत पहाड़ी क्षेत्रों में नौला संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। देव संस्कृति विश्वविद्यालय ने जानकारी दी कि उनके विश्वविद्यालय द्वारा जीवन प्रबन्धन पर पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है तथा ठोस कूड़ा प्रबन्धन पर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। उत्तरांचल ऑपन यूनिवर्सिटी द्वारा संस्कृति पर नया पाठ्यक्रम शीघ्र आरम्भ किया जाएगा। ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी द्वारा धरोहरों के संरक्षण व डॉक्यूमेंटेशन पर विशेष कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर हेस्को संस्था के डॉ0 अनिल जोशी ने सोशल सर्विस क्रेडिट पर एक प्रस्तुतिकरण दिया। सोशल सर्विस क्रेडिट के तहत विद्यार्थियों को एक निश्चित समय अवधि हेतु घर, गांव व पिछड़े वर्गो के साथ तकनीकि, पर्यावरण व ज्ञान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जोड़ा जाता है। विद्यार्थियों को एक प्रमाण पत्र भी प्राप्त होता है जिससे उन्हें उच्च स्तर पर शिक्षा में प्राथमिकता मिलती है।

कार्यक्रम में कुमाँऊ विश्वविद्यालय, उत्तराचंल ओपन यूनिवर्सिटी, सुभारती कॉलेज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, एफआरआई के प्रतिनिधि, हेस्को के पदाधिकारी उपस्थित थे।

.....0.....